क्रीड़ा भारती बालकों के विकास के लिए कृत संकल्पित : सुथार

जालोर, (कासं)। क्रीड़ा भारती की ओर से जोधपुर प्रांत स्तरीय खेल कबड्डी खेल प्रतियोगिता का भव्य उद्घाटन समारोह सोमवार को भगत सिंह क्रीडा स्थल जालोर में आयोजित हुआ।

कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में संबोधित करते हुए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रांत कार्यवाह खेमाराम सुथार ने कहा कि कब्बड्डी खेल प्रत्येक भारतीय के मन में रचा बसा है। इसलिए खेल के माध्यम से बालकों का शारीरिक भौतिक एवं चरित्र विकास के लिए क्रीडा भारती प्रयास कर रहा है । उन्होंने संघ के 100 वर्ष पूर्ण होने पर पांच परिवर्तन सहित भगवान बिरसा मुंडा गुरु तेग बहादुर एवं राष्ट्रगान के 150 वर्ष पूर्ण होने के संबंध में विस्तार से उद्बोधन दिया। राजस्थान विधानसभा के मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग में अपने उदबोधन में कब्बड्डी खेल की महत्वता के बारे में बताया कि जिले में खेल प्रतिभा गांव की कोई कमी नहीं है उन प्रतिभाओं को तरस कर आगे लाने के लिए राज्य सरकार कृत संकल्प है तथा संसाधनों में कोई कमी नहीं आने दी जाएगी ।

उन्होंने भगत सिंह क्रीड़ा स्थल में 80 लाख की लागत से हाल बनाकर कीडा भारती को दिए जाने की घोषणा भी की। क्रीडा भारती के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं ओलंपिक खिलाडी तथा कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि गोपाल सैनी ने अपने उद्बोधन में कहा कि खेल बालक के सर्वांगीण विकास का आधार है। इसलिए भारत के इस कब्बड्डी खेल को ओलंपिक में शिरकत किए जाने के उद्देश्य से देशभर में इस प्रकार की प्रतियोगिता का भव्य आयोजन किया जा रहा है ।

जालोर में जोधपुर प्रांत स्तरीय खेल कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग के मुख्य आतिथ्य में हुआ। फोटो-राष्ट्रदूत

कार्यक्रम में अतिथि के रूप में जिला कलेक्टर प्रदीप के गावंडे प्रांत उपाध्यक्ष प्रवीण मेड कीडा भारती के कार्य अध्यक्ष नाथु सोलंकी उपस्थित थे। कार्यक्रम के दौरान खिलाडियों ने सचिन खेल निष्ठा से खेलने की शपथ ली वहीं तलवारबाजी एवं राजस्थानी लोक नृत्य की आकर्षक प्रस्तुति प्रस्तुत की गई। प्रांत संयोजक आगरा राम चौधरी ने बताया कि प्रतियोगिता में 79 बालक टीम तथा 36 बालिका वर्ग की टीम तीन अलग-अलग आयु वर्ग में भाग ले रही है। कीडा भारती के प्रांत मंत्री ओमप्रकाश पुरोहित ने खेल खिलाडी खेल गायन के माध्यम से खेल की महत्वता बताइ द्य अतिथियों ने ध्वजारोहण कर प्रतियोगिता का विधिवत आगाज किया। क्रीडा भारती के जिला मंत्री भागीरथ गर्ग ने बताया कि जिला संयोजक ओमप्रकाश गर्ग के नेतृत्व में तीन दिवसों तक कब्बड्डी प्रतियोगिता भगत सिंह क्रीडा स्थल में आयोजित होगी। कार्यक्रम का संचालन मांगीलाल गुर्जर ने किया। उद्घाटन समारोह के पश्चात अतिथियों ने कब्बड्डी मैच का टॉस करवा के शुभारंभ किया।

इस अवसर पर विभाग प्रचारक संजीव कुमार विभाग कार्यवाहक जगदीश सोनी नीरज कोट्सिव नगर कार्यवाह ठाकराराम वरुण धनाढ्य कमल तिवारी विनोद कुमार जबरसिंह देवडा नरेंद्र परमार ओमप्रकाश परमार मंगलसिंह मुनिराज सिंह मिश्रीमल सुथार शैलेश लोदी अंबिका प्रसाद तिवारी सुनीता गुर्जर राहुल परमार मुनसिंह राठौड विकास जावा अविनाश परमार नरेश मालवीय सज्जनकुमार दलपतसिंह आर्य शिवदत्त आर्य पुष्पेंद्र परमार कन्हैयालाल मिश्रा भंवरलाल सुथार मूलाराम भावेश कुमार गोपीलाल गर्ग परमानंद भट्ट रेखा सैन हिम्मतसिंह सहित खेल प्रेमी मौजूद थे।

सम्मानित किया

जैसलमेर, (नि.सं.)। पटरियों पर ब्लास्ट मटेरियल और गिट्टी का ढेर देखकर लोको पायलट महेंद्रराम देवड़ा ने समय रहते ट्रेन रोक दी, जिससे जैसलमेर सेक्शन में बड़ा हादसा टल गया। इस के लिए जोधपुर मंडल के डीआरएम अनुराग त्रिपाठी ने उन्हें प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया।

इसके साथ ही 3 अन्य रेल कर्मचारियों को भी उनके उत्कृष्ट कार्य के चलते सम्मानित किया गया। समारोह में अपर मंडल रेल प्रबंधक राकेशकुमार सहित बड़ी संख्या में शाखाधिकारी मौजूद रहे।

डीआरएम कार्यालय सभागार में आयोजित सम्मान समारोह में देवड़ा को सम्मानित करते हुए डीआरएम त्रिपाठी ने कहा कि तकनीक जितनी भी उन्नत क्यों न हो, मानव सतर्कता हमेशा रेल सुरक्षा की सबसे मजबूत कड़ी रहेगी। महेंद्र देवड़ा ने इसे सिद्ध किया है।" उन्होंने मंडल के सभी रेलकर्मियों से जिम्मेदारी और सजगता के साथ अपने दायित्व निभाने की अपील भी की।

घटना 28 अक्टूबर की है। देवड़ा ट्रेन को लेकर जैसलमेर सेक्शन से गुजर रहे थे कि तभी उन्होंने पटरियों पर ब्लास्ट मटेरियल व गिट्टी का असामान्य ढेर देखा। क्षणभर की चूक भी गंभीर दुर्घटना का कारण बन सकती थी, लेकिन देवड़ा ने तुरंत लोको नियंत्रित कर ट्रेन को रोक दिया और उच्च अधिकारियों को सूचना दी। उनकी सूझबूझ और त्वरित निर्णय क्षमता ने सैकड़ों यात्रियों की जान जोखिम में पड़ने से बचा ली।

रेलवे प्रशासन ने कहा कि ऐसे कर्मियों का सम्मान न केवल उन्हें प्रोत्साहित करता है, बल्कि पूरे मंडल में सुरक्षा संस्कृति को सुदृढ़ करता है।

रोटरी क्लब ने खानपुर स्कूल में शैक्षणिक कार्यक्रम किया

जालोर के पास राजकीय उच्च प्राथमिक विधालय खानपुर में रोटरी क्लब की ओर से शैक्षणिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। फोटो-राष्ट्रदूत

जालोर, (कासं)। रोटरी क्लब जालोर के तत्वावधान में राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय, खानपुर में सोमवार को एक सराहनीय शैक्षणिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर भामाशाह रमेश जैन की ओर से विद्यालय के विद्यार्थियों को शैक्षणिक सामग्री का वितरण किया गया। जिसमें पेन, कॉपी सहित अन्य आवश्यक अध्ययन सामग्री सम्मिलित थी। इस पहल से विद्यार्थियों में विशेष उत्साह देखने को मिला। रोटरी क्लब जालोर की अध्यक्ष विनीता ओझा ने जानकारी देते हुए बताया कि इस प्रकार के कार्यक्रम विद्यार्थियों को शिक्षा के प्रति प्रोत्साहित करने के साथ-साथ उनके आत्मविश्वास को भी बढाते हैं। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित वक्ताओं ने शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए विद्यार्थियों को नियमित अध्ययन, अनुशासन एवं लक्ष्य निर्धारण के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में मोहन परमार कानाराम जी परमार एवं डॉक्टर पवन ओझा ने विद्यार्थियों को प्रेरक उदबोधन देते हुए जीवन में शिक्षा की भूमिका को विस्तार से समझाया। सभी वक्ताओं ने विद्यार्थियों को आगे बढने एवं समाज के लिए उपयोगी नागरिक बनने का संदेश दिया। कार्यक्रम के समापन पर रोटरी क्लब की सचिव मंजू चौधरी ने सभी अतिथियों, भामाशाह, सहयोगकर्ताओं एवं विद्यालय प्रशासन का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर नंद किशोर जैथलिया, नारायण लाल भट्ट, दीपक सुथार, नूर मोहम्मद, दिनेश सुन्देशा, शीला चौधरी, मेनका गुप्ता सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति एवं अभिभावक उपस्थित रहे।

पीईईओ विजय भंडारी एवं संस्था प्रधान मोहन ने भी इस सामाजिक एवं शैक्षणिक पहल की सराहना की। कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

'सरकार के दो साल पूरे होने के कार्यक्रमों की तैयारी करें'

जालोर के कलेक्ट्रेट सभागार में साप्ताहिक बैठक जिला कलैक्टर डॉ.प्रदीप के .गावंडे की अध्यक्षता में आयोजित हुई। फोटो-राष्ट्रदूत

जालोर, (का.सं.)। जिला कलैक्टर डॉ. प्रदीप के. गावंडे की अध्यक्षता में सोमवार को कलेक्ट्रेट सभागार में साप्ताहिक समीक्षा बैठक संपन्न हुई।

बैठक में जिला कलैक्टर ने राज्य सरकार के दो वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर जिले में आयोजित होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों की पूर्व तैयारी सुनिश्चित करने के लिए संबंधित विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए। जिला कलेक्टर डॉ प्रदीप के. गावंडे ने बताया कि वर्तमान राज्य सरकार के दो वर्ष का कार्यकाल पूर्ण होने के उपलक्ष्य ज़िले में 10 दिसंबर से 25 दिसंबर तक विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा, इसी क्रम में विभिन्न विभागों के तत्वाधान में सडक सुरक्षा अभियान, स्वच्छता कार्यक्रम, जिला स्तरीय प्रदर्शनी, ग्रामीण एवं शहरी सेवा फॉलोअप शिविर, महिला सम्मेलन, किसान सम्मेलन तथा राज्य स्तर पर होने वाले कार्यक्रमों का सीधा प्रसारण किया जाएगा।

बैठक में जिला कलक्टर डॉ. प्रदीप के. गावंडे ने बजट घोषणा वर्ष 2025-26 एवं बजट घोषणा वर्ष 2024-25 की क्रियान्वयन प्रगति की समीक्षा करते हुए कहा कि संबंधित विभागीय अधिकारी बजट घोषणाओं की क्रियान्विति प्राथमिकता के साथ सुनिश्चित करते हुए निर्धारित समय सीमा में कार्य पूर्ण करें। उन्होंने बजट घोषणाओं के तहत सरनाऊ में नवीन औद्योगिक क्षेत्र की स्थापना, केशवना-जालोर में घुमंतु-अर्द्धघुमंतु समुदाय के बच्चों के लिए छात्रावास का निर्माण, सांचौर में एग्रो फूड पार्क, जिला मुख्यालय पर बालिका गृह निर्माण, 3 हजार से अधिक जनसंख्या वाले पंचायत मुख्यालयों पर अटल ज्ञान केंद्र के संबंध में बिंदुवार चर्चा करते हुए आवश्यक निर्देश दिए। जिला कलक्टर ने सार्वजनिक निर्माण विभाग, उच्च शिक्षा विभाग, पशुपालन विभाग सहित विभिन्न विभागों की बजट घोषणाओं को तय समय सीमा में पूर्ण करने के भी निर्देश दिए। जिला कलक्टर ने संपर्क पोर्टल पर प्राप्त परिवेदनाओं को विभागवार समीक्षा की तथा विभागीय अधिकारियों को संपर्क पोर्टल पर प्राप्त आमजन की परिवेदनाओं का त्वरित रूप से निस्तारण करने के निर्देश दिए।

इस अवसर पर जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी नंदकिशोर राजोरा, सीएमएचओ डॉ. भेराराम जाणी, जिला रसद अधिकारी आलोक झरवाल, वन विभाग के एसीएफ भंवर सिंह सोढा, डीओआईटी के संयुक्त निदेशक कपिल लुणा सहित अधिकारी-कार्मिक उपस्थित रहे।

उमाकान्त महाराज ने प्रवचन दिए

जालोर, (कासं)। जालोर के निकट आहोर मैन रोड स्थित बिछावडी में बाबा जयगुरुदेव आश्रम में सोमवार को भक्तो को प्रवचन देते हुए सन्त बाबा उमाकान्त महाराज ने बताया कि दो तरह का नाम होता है। एक तो वक्त का जगाया हुआ नाम होता है और एक ध्वन्यात्मक नाम होता है।

उन्होंने कहा कि ध्वन्यात्मक तो जबसे यह सृष्टि बनी तब से वही चल रहा है, जो नामदान के समय दिया जाता है और जगाया हुआ नाम कौन सा होता है? कबीर साहब ने संत साहेब नाम को, नानक साहब ने वाहेगुरु नाम को जगाया था। उसके बाद में राधा स्वामी नाम आया। फिर गुरु महाराज जब आए। तब उन्होंने जयगुरुदेव नाम को जगाया। तो जब जो नाम को जगाते हैं या जो उनके आध्यात्मिक उत्तराधिकारी होते हैं, उनकी शक्ति उसमें आ जाती है। महापुरुषों द्वारा जगाया हुआ नाम जब बदनाम होने लगता है, नाम का नाजायज फायदा लोग उठाने लगते हैं तब महापुरुष नाम को बदल देते हैं। कहा गया। उन्होने बताया कि इस समय जयगुरुदेव नाम की महिमा है, इसीलिए जयगुरुदेव नाम को बोलते रहना। मुसीबत में जब कोई सहायक ना हो, तब जयगुरुदेव नाम बोलना। कोई ना कोई बचत का उपाय निकल आएगा, कोई ना कोई बचाने वाला आ जाएगा। बहुत लोगों ने परीक्षा ले कर के देखा है। आप कोई भी हो जिसने परीक्षा नहीं ली है तो आप एक बार इसकी परीक्षा ले कर के देख लेना। चक्रवात में हवा घूमने लगती है और उसके बीच में जो पड जाता है, हवा उसको ऊपर उडा देती है। तो कभी ऐसे चक्रवात में भी अगर फंस जाओ तो जयगुरुदेव नाम का उच्चारण करना, नाम ध्वनि बोलना, तो चक्रवात आते-आते बगल से निकल जाएगा।

मंत्रालयिक कार्मिकों ने जीत के लिए लगाया दम

पाली के राजेंद्र नगर भालेलाव रोड स्थित वंदे मातरम एकेडमी उच्च माध्यमिक विद्यालय में जिला स्तरीय शिक्षा विभागीय मंत्रालय कर्मचारी खेलकूद एवं सांस्कृतिक प्रतियोगिता का आगाज हुआ। फोटो-राष्ट्रदूत

पाली, (नि.सं.)। राजेंद्र नगर भालेलाव रोड स्थित वंदे मातरम एकेडमी उच्च माध्यमिक विद्यालय में सोमवार से दो दिवसीय 52 वीं जिला स्तरीय शिक्षा विभागीय मंत्रालय कर्मचारी खेलकूद एवं सांस्कृतिक प्रतियोगिता का समारोह पूर्वक आगाज हुआ जिसमे जिले भर के मत्रालयिक कार्मिकों ने जीत के लिए दमखम लगाया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार उपजिला शिक्षा अधिकारी शारीरिक (माध्यमिक) बलवीर सिंह राणावत ने बताया कि प्रतियोगिता का आगाज मॉ सरस्वती की तस्वीर के समक्ष द्वीप प्रज्जवलन के साथ हुआ । तत्पश्चात जिले भर से आए कार्मिको का पंजीयन कर खेल का नाम एवं टीम का निर्माण किया गया।

शिक्षा विभागीय मंत्रालयिक कर्मचारी संघ के जिला अध्यक्ष मुकेश बोहरा ने बताया कि प्रतियोगिता मे बास्केटबाल, वालीबाल, टेबल टेनिस, केरम, शतरंज, बैडमिंटन, कबडी, फुटबॉल टेनिस क्रिकेट,रस्सा कस्सी, लंगोरी, खो-खो, लम्बी कूद,त्रिकूद, तश्तरी फेक, भाला फेक, गोला फेक, सुगम संगीत,एकाभिनय, एकल नृत्य, विचित्र वेशभूषा, हारमोनियम वादन, तबला वादन, ढोलक वादन, झांझ वादन, समेत विभिन्न प्रकार की दौडो का आयोजन हुआ। जिसमें खिलाडियों ने जीत के लिए दमखम लगाया।

शिक्षा विभागीय मंत्रालयिक कर्मचारी संघ के मीडिया प्रभारी विक्रम सिंह परिहार ने बताया कि मंगलवार को आगामी दिनों में राजकीय सेवा से अधिवार्षिकी आयु पूर्ण कर सेवा निवृत होने वाले मंत्रालयिक एवं सहायक कर्मचारियों का श्रीफल शॉल एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मान के साथ ही दो दिवसीय खेलकूद एवं सांस्कृतिक प्रतियोगिता का समापन समारोह आयोजित किया जाएगा। जिसके मुख्य अतिथि संयुक्त निदेशक स्कूल शिक्षा मंडल पाली रिछपाल सिंह,जिला शिक्षा अधिकारी मुख्यालय (माध्यमिक) राहुल राजपुरोहित, अतिरिक्त जिला शिक्षा अधिकारी जे.डी.कार्यालय डा.भूपेन्द्र सोढा आदि मौजूद रहेंगे।

इस मौके पर राजेश माथुर, दिनेश गिरी, विनोद शर्मा,राहुल परमार, अजयपाल सिंह चंपावत,गिरवर सिंह राव, हेमंत ओझा, जितेन्द्र गोस्वामी, दिनेश कुमार कंसारा,नवीन कुमार जैन, हुक्मीचंद सैन, सुल्तान खान, रतन सिंह, रक्षित शर्मा, कुलदीप जोशी, महेन्द्र वैष्णव, कुलदीप सज्जाद जहीर खान, सरवर खान, बाबुलाल खोरवाल, कैलाश जोशी, मंगल सिंह राजपुरोहित, गणपत सोडावास, दुर्गालाल गहलोत, कमलेश पंवार, विजय चौधरी, नीरजा शर्मा,पूजा चारण, सुनिता कुमावत, अनिता सिसोदिया आदि मौजूद रहे।

राज्यपाल अवार्ड परीक्षा शिविर 10 से 13 तक पाली में

पाली, (नि.सं.)। राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड जिला मुख्यालय पाली के तत्वावधान में राज्य पुरस्कार स्काउट गाइड रोवर रेंजर जांच शिविर का आयोजन 10 दिसंबर से 13 दिसंबर 2025 तक जिला प्रशिक्षण केंद्र बजरंग बाड़ी पाली में आयोजित किया जाएगा।

सी.ओ. स्काउट गोविंद मीणा ने बताया की राज्य मुख्यालय जयपुर के निर्देशानुसार पूर्व में राज्य पुरस्कार जांच शिविर का आयोजन 04 से 11 नवंबर 2025 तक की अवधि में किया जा चुका है, राज्य मुख्यालय द्वारा उक्त शिविर में सम्मिलित ना हो पाने वाले स्काउट गाइड रोवर रेंजर को एक मौका और देते हुए सत्र के इस अंतिम परीक्षा शिविर में सहभागिता का अवसर प्रदान किया जा रहा है ।

सी ओ गाइड डिंपल दवे ने बताया कि राज्य पुरस्कार स्काउट व गाइड जांच शिविर में पाली जिले के 200 से अधिक संभागी जो पूर्व में आवेदन करके पंजीकृत हो चुके हैं वही स्काउट गाइड भाग लेंगे, इसके अलावा मंडल स्तरीय राज्य पुरस्कार रोवर रेंजर जांच शिविर में जोधपुर, बाड़मेर, जैसलमेर, जालौर, सिरोही और पाली जिले के रोवर रेंजर राज्य पुरस्कार परीक्षा में सम्मिलित होंगे।

इस सत्र का यह अंतिम शिविर होने के कारण पूर्व शिविर में सहभागिता से शेष रहे रोवर रेंजर को इसी शिविर में शामिल होना है। जिला प्रशिक्षण केंद्र बजरंग बाड़ी पाली में दिनांक 10 से 14 दिसंबर तक निपुण रोवर रेंजर प्रशिक्षण शिविर एवं अनुसूचित जाति जनजाति स्काउट गाइड प्रशिक्षण शिविर का भी आयोजन किया जाएगा। निपुण रोवर रेंजर एवं राज्य पुरस्कार रोवर रेंजर शिविर में भाग लेने वाले संभागीयों में से 9 से 13 जनवरी तक छत्तीसगढ़ में होने वाली प्रथम रोवर रेंजर जंबूरी में सहभागिता हेतु रोवर रेंजर का चयन कर तैयारी को अंतिम रूप भी दिया जाएगा।

मालिनी अग्रवाल ने सुनी जवानों की समस्याएं

जैसलमेर, (नि.सं.)। डीजी होमगार्ड मालिनी अग्रवाल ने सोमवार को सीमांत जिले जैसलमेर का एक महत्वपूर्ण और प्रेरणादायक दौरा किया। उनके आगमन पर सीमा गृह रक्षा दल परेड ग्राउंड में उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। कमांडेंट दौलतसिंह ने बुके भेंट कर अभिनंदन किया। परिसर में पदस्थापित सभी अधिकारियों से परिचय करवाया।

डीजी अठावाल ने अपने दौरे की शुरुआत संपूर्ण सीमा गृह रक्षा दल के कैंपस के सघन निरीक्षण के साथ की। उन्होंने परिसर में स्थित मां जगदंबा मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना की और प्रदेश और देश में शांति और अमन-चैन की कामना की। इस दौरान उन्होंने स्वयंसेवकों से सीधी बात की और जवानों की समस्याओं पर गंभीरता से विचार करने का आश्वासन भी दिया।

निरीक्षण के बाद डीजी अग्रवाल परेड ग्राउंड पहुंचीं। उन्होंने बड़ी संख्या में उपस्थित होमगार्ड स्वयंसेवकों से सीधा संवाद किया। उन्होंने स्वयंसेवकों की मैस सुविधा, ट्रेनिंग व्यवस्था और ड्यूटी डिप्लॉयमेंट संबंधी विस्तृत जानकारी ली।

जवानों की व्यक्तिगत और सामूहिक समस्याओं को सुना और उचित समाधान का आश्वासन दिया।

निरीक्षण के दौरान कंपनी कमांडर हमीरसिंह, कंपनी कमांडर शिवसिंह, और प्लाटून कमांडर लखसिंह सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उनके साथ मौजूद रहे। इस अवसर पर उन्होंने कार्यालय भवन का निरीक्षण कर वहां की व्यवस्थाओं की समीक्षा की और अधिकारियों को दक्षता बढ़ाने तथा पारदर्शी कार्यप्रणाली बनाए रखने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

कबीर नगर में सफाई बिगड़ी, लोगों ने विरोध जताया

जोधपुर, (कासं)। वार्ड नंबर 27 स्थित कबीर नगर में पिछले करीब दस दिनों से लोग सफाई के अभाव से परेशान हैं। इसको लेकर क्षेत्रवासियों ने विरोध जताया है।

क्षेत्रवासी नगर निगम के वार्ड प्रभारी संजीव कुमार से कई बार शिकायत कर चुके हैं, लेकिन का समाधान नहीं हुआ। लोग कहते हैं कि वार्ड प्रभारी कभी भी वार्ड में उपस्थित नहीं होते और जब नगर निगम कार्यालय में फोन किया जाता है, तो वह केवल आश्वासन देते हैं, इसके बाद उनके फोन भी नहीं उठाए जाते। उन्होंने 181 हेल्पलाइन पर भी शिकायत की थी, लेकिन वहां से भी यह जवाब मिला कि सफाई करवा दी गई है, जबकि मौके पर सफाई का कोई काम नजर नहीं आ रहा। इस लापरवाही को लेकर वार्ड के लोग बेहद नाराज हैं और समाधान की उम्मीद लगाए बैठे हैं। लोगों ने मांग की है कि यदि नगर निगम और वार्ड प्रभारी इस स्थिति को सुधारने में विफल रहते हैं, तो वे और कड़ा कदम उठाएंगे।

मतदाता के लिए कार्यक्रम हुआ

जैसलमेर, (नि.सं.)। विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) -2026 अभियान के तहत महात्मा गांधी राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, जैसलमेर में जिला निर्वाचन अधिकारी (जिला कलक्टर), मुख्य कार्यकारी अधिकारी (स्वीप प्रकोष्ठ नोडल अधिकारी) एवं जिला स्वीप प्रकोष्ठ समन्वयक के निर्देशन में व्यापक एवं तकनीकी रूप से उन्नत मतदाता जागरूकता एवं डिजिटल सक्षमता गतिविधि आयोजित की गई।

इस अवसर पर स्वीप प्रकोष्ठ के गोविन्द गर्ग ने विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया, उसके उद्देश्यों एवं महत्व पर विस्तारपूर्वक जानकारी प्रदान की। कार्यक्रम के दौरान मतदाता सूची में सही पंजीकरण, पात्र मतदाताओं के नाम जोड़ने एवं त्रुटियों के संशोधन से जुडी प्रक्रियाओं पर भी विस्तृत जानकारी दी गई। वक्ताओं ने कहा कि विशेष गहन पुनरीक्षण लोकतांत्रिक प्रणाली को मजबूत बनाने वाला महत्वपूर्ण अभियान है, जो प्रत्येक पात्र नागरिक को मतदाता सूची में शामिल होने का अवसर सुनिश्चित करता है। प्रधानाचार्य रामा राम सहित समस्त विद्यालय स्टाफ ने कार्यक्रम में सक्रिय सहभागिता निभाई और इसे सफल बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। प्रधानाचार्य रामा राम ने की। उन्होंने बताया कि एसआईआर प्रक्रिया अब अपने अंतिम चरण में है।

लेखनी की मासिक काव्य गोष्ठी में रचनाकारों ने सुनाई मन की बात

जोधपुर, (कासं)। साहित्यिक और सांस्कृतिक संस्था लेखनी की काव्य गोष्ठी रविवार को नेहरू पार्क स्थित डॉ. मदन-सावित्री डागा साहित्य भवन में आयोजित की गई।

लेखनी के अध्यक्ष प्रमोद वैष्णव ने बताया कि समय की पाबन्दी के साथ हिन्दी, उर्दू और राजस्थानी के रचनाकारों के साथ नियमित सुनने सुनाने का अवसर प्रदान करने वाली संस्था की मासिक गोष्ठी का प्रारम्भ बंगलुरू से आयी कवयित्री पूजा प्रजापति की शोर्य मण्डित रचना 'तुम आन की बात क्या जानो, तुम जान की क़ीमत क्या जानो, इन कंगन पहने हाथों की, तुम शान की क़ीमत क्या जानो...,' सुनाकर पुख़्तागी के साथ गोष्ठी का प्रारम्भ किया, युवा कवयित्री सुरभि खींची ने 'मैं चुप रहूँ, ख़ामोश हूँ, पर मतलबी नहीं हूँ...' सुनाई। इसी श्रृंखला में चंचल चौधरी ने 'ईश्वर पड़ौसी हो गया...' रिंकल जैन ने 'यूँ ही नहीं मिला मंच का तजरबा मुझे..., दीपिका रूहानी ने 'दर्द इतना दे मुझे, कि दर्द की इन्तेहा हो जाए....' और किशन वर्मा ने इन्साफ़ ज़िन्दगी का मुझे अजीब सा लगा, क्यूँ ये बदल गया सोचता रहा मैं खड़ा.....' सुनाई। वहीं निमिषा व्यास ने औरत की व्यथा को अपनी रचना में ढाला तो राजेश भार्गव ने मार्मिक कविता 'मैंने हर रोज़ ज़माने को रंग बदलते देखा..., निधि व्यास ने स्त्री विमर्श आधारित रचना 'पहला पुरूष कौन था जिसने पहली बार स्त्री को अपमानित किया.....,' व्यथा और निष्कर्ष सुनाई। गुज़रते साल के मौक़े पर लता सिंह ने 'विदा लेता नवम्बर कानों में धीरे से कह गया, पलटकर मत देख उसे जो पीछे रह गया..., के साथ आगे बढने की प्रेरणा दी।

उर्दू भाषा के रचनाकार अब्दुर्रहीम सांखला ने नवरचित नज़्म 'कर बैठे अना की ज़िद में ख़ुद का ख़सारा कर बैठे..., शाइर ओम प्रकाश गोयल ने तरन्नुम में 'देकर मुझको धोका तूने अच्छा नहीं किया है...' गीत सुनाकर अपनी रचना की परिपक्वता ज़ाहिर की। ग़ज़लकार रज़ा मोहम्मद ख़ान ने 'दुआएं साथ हैं मिरे दवा मिले ना मिले, ख़ुदा की राह में तो हूँ ख़ुदा मिले ना मिले..., सुनाई वहीं अशफ़ाक़ फ़ौजदार ने 'उसके लहजे की शाइस्तगी का मज़ा हमसे पूछिये....' रचना सुनाकर दाद पायी। मोहनदास वैष्णव 'रूक्मेय' ने 'नि:स्वार्थ प्रेम अब नहीं रहा, घिर गया वो अब मतलब की दीवारों में..., सुनाकर दाद पायी वहीं रंग निर्देशक और कवि रमेश भाटी नामदेव ने दोहे के अन्तर्गत 'कुछ शुभ होता देखकर, अपने भये उदास.., जो कुछ मुझको मिल रहा, क्यूँ ना उसके पास...,' सुनाकर सृजन का एक नया आयाम प्रस्तुत किया।

इस बीच राजस्थानी गीतकार दिलीप राव दलपत ने महाभारतकालीन प्रसंग के अन्तर्गत रूक्मणी के विवाह आधारित गीत 'पाती लिख दी प्रीत की व्याख्या करी विस्तार सूं.....' तरन्नुम में सुनाकर समा बांधा, वाजिद हसन क़ाज़ी ने ' अठी बठी मत झांक बावळा, पैली खुद नैं आंक बावळा, पोत उघाड़णा सरळ है भाया, घर री बातां ढांक बावळा..., सुनाकर राजस्थानी भाषा की मिठास घोली तब कल्याण के. विश्नोई ने 'मैंने नहीं सहेजा ख़त तुम्हारा, मेरे लिये वो पाती अधिक मुखर है जो मैंने तुम्हारी आंखों में पढी.....' सुनाकर उर्दू की तरफ़ रूख़ मोड़ा वहीं रतन सिंह चम्पावत ने 'दिल के तन्हा कौने में कुछ तो ख़्वाहिशे बर्बाद रख, ज़िन्दगी का सच इसी में ख़ुद को ज़िन्दाबाद रख...,' ग़ज़ल सुनाई । अकमल नईम सिद्दीक़ी ने 'अकेला हूं मगर तन्हा नहीं हूँ, मैं अपने आप से बिछड़ा नहीं हूँ..., के साथ ग़ज़ल की ख़ूबसूरती उकेरी।

अन्तिम श्रृंखला में डॉ. मनीषा डागा ने अपनी अत्यन्त लोकप्रिय रचना बोनसाई को यूँ पिरोया 'कोई, क्या, समझे उसकी, जीवन व्यथा, क्यूँ पूछे कि कैसे लगा एक वृक्ष बीज को, बोनसाई हो जाना....,' डॉ. रेणुका श्रीवास्तव ने अपनी कविता 'मैंने देखा है थके हुए शरीरों को बोझ उठाते जीवन का, हारी हुई सांसों को ऋण चुकाते बची ख़्वाहिशों का...., वहीं कवि प्रमोद वैष्णव ने अपनी चिर परिचित रचना 'बहुत फड़फड़ाते हैं जब काग़ज,. तब रख देता हूँ उनपर कुछ शब्द कुछ पंक्तियां, पेपरवेट की तरह, बेचारे काग़ज़, इनमें छुपे जज़्बात के बोझ तले पड़े रहते हैं, श चुपचाप.....,' सुनाकर गोष्ठी को साहित्यिक उँचाईयां प्रदान की।

नवीन बोहरा 'पंछी' ने 'मेरी आंखों से आंखें अपनी निकालकर ले जाओ, मुझे जीना भी तो है, जीने तो दे....., सुनाई। कार्यक्रम का संचालन वाजिद हसन क़ाज़ी ने किया तथा मज़ाहिर सुलतान ज़ई ने आभार व्यक्त किया इस अवसर पर मोहम्मद सुलैमान, रहमतुल्लाह ख़ान और अद्वैत बोहरा का सहयोग रहा। वरिष्ठ पत्रकार एवं शाइर स्वर्गीय आदिल अख़्तर को दो मिनट के मौन के साथ श्रद्धांजलि दी गई।